VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2220)

निर्धारित समय: **तीन घंटे**
Time Allowed: ***Three Hours***

अधिकतम अंक: **250**
Maximum Marks: 250

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 61+3 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 61+3 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 579950

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Mohan Ram

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)
GENERAL STUDIES (Paper IV)

तारीख
Date
28/8/22

केंद्र
Centre M.N. Delhi

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature 28/8/22

www.visionias.in

	महत्वपूर्ण अनुदेश	Important Instructions
	उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।	**Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.**
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use
परीक्षक के हस्ताक्षर Signature of Examiner(s)	

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks		प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	
1(a)			6 (a)		
1(b)			6 (b)		
2(a)			6 (c)		
2(b)			7		
3(a)			8		
3(b)			9		
4(a)			10		
4(b)			11		
5(a)			12		
5(b)					
उप-योग (A) Subtotal (A)			उप-योग (B) Subtotal (B)		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					

VISION IAS

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2220)

निर्धारित समय: तीन घंटे Time Allowed: Three Hours	अधिकतम अंक: 250 Maximum Marks: 250

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बारह** प्रश्न हैं जो दो **खण्डों** में विभाजित हैं तथा हिंदी और अंग्रेजी दोनों में छपे हुए हैं।*

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

*There are **TWELVE** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both, in **HINDI** and in **ENGLISH.***

All questions are compulsory.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

VISION IAS

All the Best

1. (a) असीमित संपत्ति का तर्क लाभ के रूप में स्वहित की पूर्ति करने की बुनियादी मानवीय प्रवृत्ति में निहित है। इस संदर्भ में, क्या आपको लगता है कि नैतिक पूंजीवाद का अनुसरण करने की संभावना है? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The logic of limitless wealth lies in the basic human instinct for furthering self-interest in the form of profit. In this context, do you think there is a possibility of pursuing ethical capitalism? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

रूसो के अनुसार मनुष्य प्राकृतिक अवस्था में नैतिक था लेकिन संपत्ति के कारण वह स्वार्थी हो गया है, इसलिए पुनः प्राकृतिक अवस्था में लौटना चाहिए।

संपत्ति इच्छाओं व आवश्यकताओं की प्राप्ति का साधन है जब यह आवश्यकताएं असीमित होने लगती है तब असीमित संपत्ति की चाह होने लगती है।

संपत्ति समाज में उच्चता व सम्मान के प्रतीक के रूप में भी मानी जाती है इसलिए भौतिक आवश्यकताओं के साथ-साथ मनोवैज्ञानिक, सामाजिक व आत्मिक आवश्यकताएं की पूरी करने का माध्यम बन जाती है।

संपत्ति के भण्डारण के पीछे यह भी तर्क दिया जाता है कि यह उनके परिश्रम का फल है।

संपत्ति के संकेन्द्रण के कारण असमानता, गरीबी, शोषण, दासत्व, भेदभाव व कलह उत्पन्न हो सकते हैं इसलिए इसके अनन्त केन्द्रण को रोकना नैतिक रूप से अनिवार्य है।

संसाधनों पर सभी का समान हक है इसलिए संकेन्द्रण प्राकृतिक न्याय के विरुद्ध है। इसलिए नैतिक पूंजीवाद के पक्ष की बात कही जाती है।

नैतिक पूंजीवाद उदार व नीतिगत पूंजीवाद है जिसमें सम्बन्ध नैतिकता से आर्थिक पूंजीवाद का है।

मनुष्य स्वाभाविक मानवीय गुणों का अनुसरण कर नैतिक पूंजीवाद अपना सकता है तथा समाज को सामंजस्यपूर्ण चलाने के लिए नैतिक पूंजीवाद को अपनाना प्रासंगिक है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

1. (b) यदि कोई कानून अन्यायपूर्ण है, तो व्यक्ति द्वारा उसकी अवज्ञा करना न केवल उचित है, अपितु ऐसा करना उसका दायित्व भी है। चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

If a law is unjust, a man is not only right to disobey it, he is obligated to do so. Discuss. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

महात्मा गांधी ने 'सविनय अवज्ञा' का सिद्धान्त दिया। जो कानून अनुचित है उनका विरोध करना नागरिक का दायित्व है।

कानून विधिक संस्थाओं द्वारा निर्मित व नागरिकों द्वारा अनुपालित किया जाता है। रूसो के शब्दों में अधीनस्थों की सहमति ही सामान्य इच्छा है। सामान्य इच्छा ही कानून का आधार है।

कानून अपनी वैधता संवैधानिक तंत्र या विधिक प्रणाली से प्राप्त करता है लेकिन तभी स्वीकार्य हो सकता है जब वह न्यायपूर्ण हो।

कानून में आवश्यक रूप से नैतिकता का अंश होना चाहिए तथा उसका उद्देश्य न्यायपूर्ण समाज की स्थापना होना चाहिए।

एक नागरिक के रूप में कानून का पालन न्याय की अवधारणा से जुड़ा है। अतः नागरिक का दायित्व है कि वह न्यायपूर्ण व्यवस्था के लिए खड़ा हो।

कानून अन्यायपूर्ण है तो नैतिक रूप से अनुचित है इसलिए नैतिकता उसकी अवज्ञा की अनुमति देती है। फिर भी सिर्फ उसका नैतिक पहलू पर्याप्त रहना ठीक मानकर स्वयं तक सीमित नहीं होना चाहिए।

व्यक्ति का सामाजिक व राष्ट्रीय कर्तव्य भी है कि वह दूसरों के साथ हो रहे अन्याय का विरोध करे इसलिए सविनय अवज्ञा की नैतिकता के साथ-साथ इसे दायित्व के रूप में लेना जरूरी है।

गांधीजी ने नमक कानून को नैतिक रूप से अन्यायपूर्ण माना इसलिए सविनय अवज्ञा के साथ-साथ सामाजिक चेतना का दायित्व निभाते हुए अवज्ञा की

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

2. (a) किसी परिवर्तनकारी प्रक्रिया को शुरू करने की सिटीजन चार्टर की क्षमता उसे उचित रूप से तैयार करने और प्रभावी ढंग से लागू किए जाने पर निर्भर करती है। चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)
The capacity of Citizens' Charter to initiate any transformative process is conditioned upon it being appropriately designed and effectively executed. Discuss. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

आधुनिक नागरिक समाजों में प्रशासन को कुशल, मितव्ययी, पारदर्शी तथा उत्तरदायी होना चाहिए। जनोन्मुखी लक्ष्योन्मुखी, अनुक्रियाशील प्रशासन की स्थापना के लिए सिटीजन चार्टर की संकल्पना है।

सिटिजन चार्टर किसी संगठन या कार्यालय द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं का नागरिकों के सम्मुख प्रकटन है जिनके उत्तरदायी वे स्वयं होते हैं।

सिटीजन चार्टर परिवर्तन का प्रबंधन करने का महत्वपूर्ण उपकरण है इसकी सार्थकता इस प्रकार सुनिश्चित की जा सकती है —

1) तैयार करते समय मानक →
1. स्पष्ट व सरल भाषा में प्रस्तुत
2. सेवाओं का ब्यौरा, समयावधि व स्थान

3. असंतुष्टी पर अपील तंत्र
4. महत्वपूर्ण सूचनाओं का स्वतः प्रकटीकरण
5. जवाबदेहिता को बढ़ाना
6. डिजिटल माध्यमों का उपयोग
7. अवहेलना पर दण्ड तंत्र का निर्माण।

(2) लागू करने के दौरान मानक→

1. कार्यालय के अधिकारियों की संवेदनशीलता
2. शिकायत प्रणाली निवारण तंत्र
3. सुगम पहुँच
4. तकनीकी उपयोगिता बढ़ाना
5. शीघ्र। कम व समय प्रबंधन।

सिटीजन चार्टर के समक्ष चुनौतियाँ
1. निर्माताओं के पास व्यापक प्रशिक्षण की कमी
2. परिवर्तन रोधी मानसिकता
3. अस्पष्टता
4. क्रियान्वन में ढिलाई।

बेहतर नागरिक शासन के लिए सिटीजन चार्टर को प्रभावी ढंग से लागू किया जाना जरूरी है इसके लिए सिटीजन चार्टर स्वतः लागू होना चाहिए।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

2. (b) लोक प्राधिकारियों की आंतरिक शक्ति (मोरल फाइबर) और नैतिक आचरण न केवल शासन की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं बल्कि उनके स्वयं के हितों और प्रदर्शन को भी प्रभावित करते हैं। सविस्तार वर्णन कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The moral fiber and ethical conduct of public officials not only influence the standard of governance but also their own interests and performance. Elaborate. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

लोक प्रशासन में सेवाओं की डिलीवरी लोक प्राधिकारियों के द्वारा की जाती है। शासन की गुणवत्ता के लिए लोक अधिकारी की तत्परता आवश्यक है।

लोक प्राधिकारी के प्रमुख गुण इस प्रकार होने अपेक्षित हैं- सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, कर्तव्यपालन, सच्चरित्रता, दया, संवेदनशीलता, अनुक्रियाशीलता, समानुभूति आदि।

लोक प्राधिकारी का आंतरिक मन व शक्ति उसकी कार्यप्रणाली व निष्पादन क्षमता को प्रभावित करती है। एक अभिप्रेरित व उच्च नैतिक मूल्यों वाला व्यक्ति शासन में गुणवत्ता स्थापित करता है। जैसे ई. श्रीधरन, डा. एपीजे कलाम।

आन्तरिक शक्ति न केवल सेवा व शासन की गुणवत्ता सुनिश्चित करती है बल्कि यह प्राधिकारी को आत्मिक संतुष्टि भी प्रदान करती है।

आंतरिक शक्ति स्वयं के हित व प्रदर्शन को प्रभावित करती है-

1. उच्च स्तरीय मनोबल व अभिप्रेरित व्यक्ति
2. कार्य की तत्परता
3. दुविधा या संकट के समय क्षमताओं का बेहतर प्रदर्शन
4. आत्मिक संतुष्टि का भाव
5. एक आदर्श प्राधिकारी की छवि का निर्माण
6. सार्वजनिक जीवन में पहचान की प्राप्ति
7. व्यक्तिगत सेवा रिकॉर्ड में श्रेष्ठता फलस्वरूप पदोन्नति व अनुलाभ।

आन्तरिक शक्ति ही वह बल है जो व्यक्ति को प्रेरित करती है जिससे वह ऊर्जावान, गतिवान तथा कार्यवान रह पाता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3. (a) इच्छामृत्यु पर जारी बहस कई नैतिक प्रश्नों को जन्म देती है। चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)
The ongoing debate on euthanasia poses several ethical questions. Discuss. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

इच्छामृत्यु:- जीवन के बचने की संभावनाओं के क्षीण हो जाने पर कृत्रिम तरीके से मृत्यु का वरण करना।

कुछ देशों में इच्छामृत्यु की मान्यता है जबकि कई देशों में नहीं है इसके और प्रश्न:-

(1) जीवन का अधिकार नहीं तो मृत्यु का अधिकार भी नहीं।

(2) निर्णय लेने की शक्ति, क्षमता व प्राधिकार किनके पास है? क्या संपत्ति की तरह जीवन व मृत्यु की वसीयत लिखी जा सकती है

(3) वर्तमान आकलन उसके स्वस्थ होने की भले ही संभावना नकारते हो लेकिन अगर व्यक्तिनिष्ठ आकलन हो भविष्य में गलत निकल जाये तो क्या उसे वापिस जीवन मिल सकता है?

4) ~~प्राकृतिक रूप से~~ जन्म व मृत्यु दोनों पर मनुष्य के निर्णय-स्वार्थ से प्रेरित हो, तब नैतिकता का अंत हो जाता है।

5) जीवन की समाप्ति के तरीके के संदर्भ में प्रश्न कि वे दर्दयुक्त है या मुक्त? उचित या अनुचित?

6) संपत्ति या अन्य संपदाओं को हड़पने, सेवा से बचने आदि के लिए इनके दुरुपयोग होने पर नैतिक चिंता।

इच्छामृत्यु पर बहस ऐतिहासिक काल से चली आ रही है। गांधीजी इसे नैतिक रूप में स्वीकार करते हैं। उपयोगितावादी भी सहमति देते हैं। लेकिन नीतिशास्त्रीय विचार कुछ प्रश्नों के उत्तर अभी खोज रहे हैं।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3. (b) विदेशी सहायता नव-उपनिवेशवाद का एक रूप है, क्योंकि आर्थिक रूप से समृद्ध देश सहायता की आड़ में विकासशील देशों का शोषण कर सकते हैं। परीक्षण कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Foreign aid is a form of neo-colonialism, as the economically wealthier countries can exploit the developing countries under the cloak of aid. Examine. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

नव उपनिवेशवाद :
विकसित व ताकतवर देशों द्वारा प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से अपने प्रभावों को दूसरे देशों पर आरोपित करना। जैसे वैश्वीकरण, निजीकरण व उदारीकरण के माध्यम भारतीय अर्थव्यवस्था को विकसित देशों के लिए खोलना।

विकासशीलों के लिए विकास की अनिवार्यता है। पूंजीगत अवसंरचनाओं के विकास के लिए विपुल पूंजी की आवश्यकता है जो कम आय, कम उपभोग व कम बचत वाली अर्थव्यवस्थाओं के पास नहीं है अतः विदेशी सहायता अनिवार्य बन जाती है।

विदेशी सहायता के बदले समृद्ध देश कुछ शर्तें, प्रतिबंध आरोपित करते हैं जिससे उसकी संप्रभुता, विदेश नीति आर्थिक नीति आदि प्रत्यक्ष तौर पर प्रभावित होती है

चीन द्वारा श्रीलंका, जिबूती मोजाम्बिक देकर वहां अपनी नीतियां चलाना।

अमेरिका द्वारा मार्शल प्लान के तहत पश्चिमी यूरोप में नवउपनिवेशवाद

लोकतंत्र स्थापना के नाम पर सैन्य सहायता देकर पश्चिमी एशिया में अमेरिकी हस्तक्षेप।

विदेशी सहायता के अधिकांश विश्व बैंक अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, एशियाई अवसंरचना बैंक आदि पर कुछ देशों का प्रभुत्व है। अतः लोकतंत्रीकरण, विकेन्द्रीकरण व सहायता की शर्तों में संशोधन कर मानवीय व नैतिक पक्षों द्वारा सहायता की जानी चाहिए।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4. (a) रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा प्रतिपादित सार्वभौम मानवतावाद के विचार पर प्रकाश डालते हुए, इसकी समकालीन प्रासंगिकता पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Throwing light on the idea of Universal Humanism propounded by Rabindranath Tagore, discuss its contemporary relevance. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

रविन्द्रनाथ टैगोर सार्वभौम मानववादी, प्रकृतिवादी, रहस्यवादी, अन्तर्राष्ट्रीयवादी तथा मानवीय संवेदनाओं को समझने वाले व्यक्ति थे।

टैगोर ने विश्व को एक ईकाई माना। उन्होंने राष्ट्र इकाई को नकार दिया फलतः वे राष्ट्रवाद को भी नकारते है। उनके अनुसार मानवीयता राष्ट्र/धर्म सेना या लिंग के आधार पर परिभाषित नहीं की जा सकती।

टैगोर ने सम्पूर्ण प्रकृति को जीवन का आधार माना है। अतः प्राकृतिक नियमों का पालन करना चाहिए। आत्मिक उत्थान के लिए प्राकृतिक वातावरण व स्वतंत्रता का भाव होना जरूरी है।

टैगोर ने मानवता के विरोधी शोषणकारी ब्रह्माण्डीय परिकल्पना से जोड़ा।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

प्रासंगिकता -

1. वैश्विक संघर्षों को रोकने का आधार
2. संसाधनों का नियंत्रण की होड़ रोकने हेतु
3. अंध राष्ट्रवाद के विरुद्ध शांति आंदोलन
4. मानवीय गरिमा व नैतिक मूल्यों की स्थापना का प्रयास
5. संस्थानीय विज्ञान व धर्मवाद/सांप्रदायिकता के सन्दर्भ में प्रासंगिक
6. कारगी तकनीक एवं मशीन की बजाय आत्मिक शक्ति द्वारा सौहार्द स्थापना
7. युद्धवादी मानसिकता, कट्टरता व अंधभक्ति का विरोध।

टैगोर का सार्वभौम मानवतावाद 16वीं सदी के यूरोपीय मानवतावाद व 19वीं सदी के भारतीय मानवतावाद से प्रेरित होते हुए भी विशिष्ट व व्यापक था।

4. (b) क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि चारित्रिक प्रकृति, न कि परवरिश, किसी व्यक्ति की भावनात्मक बुद्धिमत्ता का निर्धारण करती है? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Do you agree with the view that it is nature and not nurture which determines the emotional intelligence of a person? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भावनात्मक बुद्धिमता → किसी अन्य तथा स्वयं की भावनाओं को समझने, और अपने लक्ष्यों के अनुरूप करने तथा उनका प्रबंधन करने की क्षमता।

भावनात्मक बुद्धिमता के निर्धारक

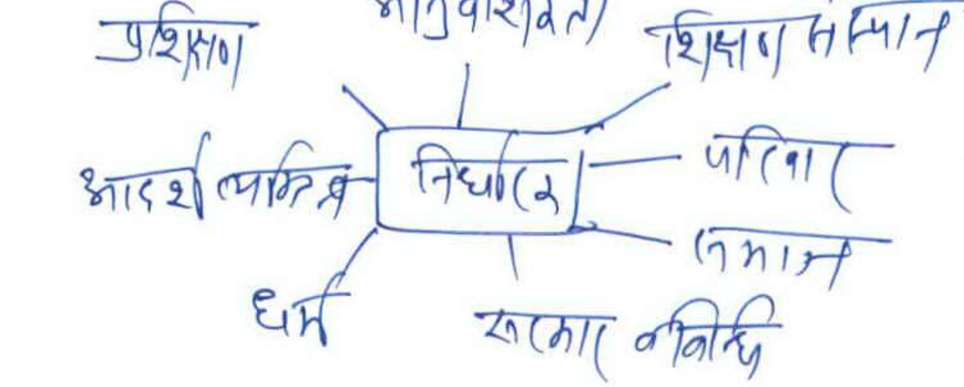

भावनात्मक बुद्धिमता के निर्माण में परवरिश की भूमिका अधिक है क्योंकि →

1) बालक अनुसरण व अनुकरण करता है अर्थात देख कर सीखना।

2) परिवार के सदस्यों द्वारा उदाहरण पेश करना

3) कथाओं व कहानियों द्वारा विकसित करना

4) साथी समूह के साथ अन्तर्क्रिया द्वारा

5) शिक्षक, पड़ोसी, मित्र, परिजन द्वारा

भावनात्मक बुद्धिमत्ता का ज्ञान मिलता है

6) स्वयं के अनुभव व पूर्व उदाहरण।

चारित्रिक प्रवृत्ति भावनात्मक बुद्धिमत्ता का निर्माण बेहतर तरीके से कर सकती है -

1) ज्ञान का व्यवहार में उपयोग

2) "सीखने की बजाय 'विवेक'" का ज्यादा महत्व

3) स्वयं जीने की स्थिति में बेहतर निर्णय

4) व्यक्तिगत अभिवृत्ति से दीर्घकालीन सामर्थ्य निर्माण

5) चरित्र का मूल्यांकन व अन्य लोगों की प्रतिपुष्टि का प्रभाव।

चरित्र व पारिवारिक दोनों भावनात्मक बुद्धिमत्ता का निर्माण करते है अलग-2 व्यक्तियों में इनका अलग-2 महत्व हो सकता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5. (a) वे मूल्य जो लोक प्रशासकों का मार्गदर्शन करते हैं, व्यापक सार्वजनिक हित के लिए अपने सापेक्ष महत्व के कारण, प्राय: एक-दूसरे के प्रतिस्पर्धी हो सकते हैं। उदाहरणों सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Values that guide public administrators can often compete with each other, owing to their relative importance to the larger public interest. Discuss with examples. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

लोक प्रशासक के मार्गदर्शक मूल्य-
सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, निष्पक्षता, नेतृत्व, सम्पक्षता, निःस्वार्थता, उत्तरदायी, पारदर्शी, समानुभूति, करुणा, दया, परोपकार, सेवाभाव, दृढ़ता, साहस, अनुशासित तत्परता, प्रेम आदि।

सार्वजनिक हितों के निष्पादन के दौरान कई बार मूल्य एक दूसरे के प्रतिस्पर्धी हो जाते हैं जिससे नैतिक दुविधा का संकट पैदा हो जाता है।

जैसे असमर्थ वृद्धा की मदद करने की समानुभूति लेकिन वह किसी योजना की पात्रता नहीं रखती। इसलिए करुणा व समानुभूति बनाम नियमों का पालन करने के बीच द्वन्द्व।

-) किसी योजना के आवेदन की अंतिम तिथि के बाद पात्र व्यक्ति द्वारा आवेदन किये जाने पर दुविधा।

-) पारदर्शिता व गोपनीयता की दुविधा
सभी सूचनाएँ प्रकट करने वाली पारदर्शिता पर बल देते हुए गोपनीय सूचनाएँ प्रकट न करना।

-) व्यक्तिगत दायित्व व सार्वजनिक दायित्व-
दूसरे शहर में जाने का कारण व्यक्तिगत है लेकिन साथ में उसी शहर में कार्यालय का कार्य भी निपटा लेने पर कर्त्तव्य व परिलाभ संबंधी दुविधा।

वास्तव में ये दुविधा प्रतीत तौर पर दिखाई देते हैं उच्च सत्यनिष्ठा व नैतिक गुणों के साथ इनका निवारण किया जा सकता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5. (b) क्या यह कहना तर्कसंगत है कि भ्रष्टाचार एक सामाजिक परिघटना है? प्रशासनिक भ्रष्टाचार से निपटने के विभिन्न तरीके क्या हैं? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Is it justifiable to say that corruption is a social phenomenon? What are the various ways through which administrative corruption can be tackled? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भ्रष्टाचार:- किसी सेवा को प्रदान करने या प्रदान न करने, पक्षपात या वरीयता से अनुग्रह पूर्वक प्रदान करने के बदले में वित्तीय व अन्य लाभों की अपेक्षा भ्रष्टाचार है

भ्रष्टाचार सामाजिक परिघटना है -

1) भ्रष्टाचारी व्यक्ति समाज का हिस्सा है अतः समाज में बढ़ता भौतिकवाद कारण बनता है
2) भ्रष्टाचारी व्यक्ति की सामाजिक प्रतिष्ठा में कोई कमी नहीं आती। बल्कि सम्मान का भाव समाज में रहता है
3) अधिकारियों के ऊपर सामाजिक दबाव कि वह किसी विशिष्ट पक्ष में खड़ा/खड़ी हो,

4) परिवार व समाज में उच्च विलासिता के जीवन को मान्यता के कारण भ्रष्टाचार

5) सामाजिक कुरीतियों - दहेज प्रथा आदि, महंगी शिक्षा जैसे कारणों से भ्रष्टाचार को बढ़ावा।

भ्रष्टाचार से निपटने के तरीके -

1) डा कलाम - माता-पिता व शिक्षक ही भ्रष्टाचारमुक्त समाज बना सकते।

2) भ्रष्टाचारियों का सामाजिक बहिष्कार

3) भ्रष्टाचारियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्यवाही

4) न्यायिक व अपराध तंत्र को मजबूत कर तात्कालिकता से निर्णय दें

5 गैर जमानती बनाना व संपत्ति जब्ती

6) विवेकाधिकारों में कमी लाना

7. लोक भागीदारी बढ़ाना

8) डिजिटलाइजेशन को बढ़ावा देना,

भ्रष्टाचार ने राष्ट्र को खोखला कर दिया और इसके विरुद्ध चतुर्मुखी लड़ाई लड़नी पड़ेगी।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

6. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके लिए क्या मायने रखता है?
What do each of the following quotations mean to you?

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(a) "गरीबी पर काबू पाना दान का कार्य नहीं है; यह न्याय का कार्य है।" नेल्सन मंडेला (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)
"Overcoming poverty is not a task of charity; it is an act of justice." Nelson Mandela (Answer in 150 words) 10

नेल्सन मंडेला गांधीवादी स्वतंत्रता सेनानी थे जिन्होंने 1994 में अफ्रीका (दक्षिण) के राष्ट्रपति बनने पर गरीबी उन्मूलन का व्यापक प्रयास किया।

मंडेला के अनुसार गरीब हमारे देश का नागरिक है तथा उनका भी संसाधनों पर समान अधिकार है कोई व्यक्ति गरीब इसलिए नहीं कि वह गरीब है बल्कि इसलिए है कि वह व्यवस्था द्वारा बनाया गया है, इसलिए व्यवस्था का यह दायित्व है कि गरीबी का अंत करे।

मंडेला न्याय की अवधारणा को मानते थे। उनके अनुसार जब तक समतापूर्ण समाज की स्थापना नहीं होगी

न्याय की व्यापकता भी नहीं होगा।
गरीबी व्यक्ति को न्याय तथा न्यायिक
प्रणाली से बाहर कर देगी। इसलिए गरीबी
खत्म करना जरूरी है।

गरीबी पर काबू पाना नैतिक
कर्तव्य ही नहीं है कि दान या कुछ मदद
करनी नैतिक लगती है बल्कि यह नैतिक
के साथ-साथ विधिक बाध्यकारी है।
यदि गरीबी का उन्मूलन नहीं हुआ तो
नैतिकता व विधिकता दोनों नष्ट हो जायेगी।

मंडेला गरीबी को अनैतिक
मानते हैं इसलिए इसे दान तक सीमित नहीं
करते वे इसे क्षमता निर्माण, शिक्षा, रोजगार,
जिम्मेदारी, स्वामित्व प्रदान करना/प्रदान
के पक्ष में है।

इस प्रकार गरीबी को स्वेच्छा
पर नहीं छोड़कर ध्यानपूर्वक प्रयासों से दूर
की जानी होगी।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

6. (b) "मेरा यह मानना है कि जहां कायरता और हिंसा में से केवल किसी एक को चुनना हो तो मैं हिंसा चुनने की सलाह दूंगा।" - महात्मा गांधी (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"I do believe that, where there is only a choice between cowardice and violence, I would advise violence."- Mahatma Gandhi (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

महात्मा गांधी सत्य व अहिंसा पर चलने वाले व्यक्ति थे उन्होंने अहिंसा को मन, वचन व कर्म की अहिंसा कहा।

गांधीजी के अनुसार अहिंसा व कायरता एक समान नहीं है कायरता विकल्प हीनता की स्थिति है साहस की कमी दर्शाती है पौरुष का अभाव बताती है। वहीं अहिंसा वीरों का पथ है यह विकल्पों की भरमार में से श्रेष्ठतम विकल्प है यह सत्याग्रही द्वारा ही अपनायी जा सकती है।

गांधीजी के अनुसार किसी के द्वारा हमें थप्पड़ मारने पर हमारे मन में उसके प्रति प्रतिकार का भाव आ गया, लेकिन सामर्थ्य की कमी के कारण प्रतिकार नहीं करते तो यह कायरता है।

अहिंसा की स्थिति में प्रतिकार की भावना आती ही नहीं है। गांधीजी कहते है कि यदि प्रतिकार की भावना आ गई तब उसे बदले में धारदार तलवार ली चाहिए जिससे कम-से-कम सामर्थ्य तो दिखेगा।

गांधीजी ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान अहिंसा का परिचय दिया। 1942 के आंदोलन में हिंसा को गलत ठहराया।

अहिंसा से कायरता का भाव है अहिंसा हृदय परिवर्तन में विश्वास रखती स्वयं कष्ट सहकर अन्यों का विचार बदलवाना ही अहिंसा है। अहिंसा में क्रोध, द्वेष, भय, अनुराग जैसे भाव नहीं आते। ये कायरता की निशानियां है।

अतः गांधीजी अहिंसा को अधिक श्रेष्ठ, नीतिपरक तथा महत्वपूर्ण गुण मानते है जिसे श्रेष्ठ सत्याग्रही ही धारण कर सकता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

6. (c) "परिवर्तन अपरिहार्यता के पहियों पर नहीं चलता है, बल्कि निरंतर संघर्ष के माध्यम से आता है।" मार्टिन लूथर किंग जूनियर (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"Change does not roll in on the wheels of inevitability, but comes through continuous struggle." Martin Luther King Jr (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

मार्टिन लूथर परिवर्तन के पक्षपोषी थे वे उन समय की विद्यमान भेदभाव तथा धर्म की विलासी प्रवृत्ति के विरुद्ध उठ खड़े हुए तथा तार्किकता पर बल दिया।

लूथर के अनुसार परिवर्तन ~~सबंध~~ परिवर्तन के लिए नहीं आता। यह स्वयं प्राकृतिक रूप से घटित नहीं होता बल्कि परिवर्तन को लाना पड़ता है ~~कम~~ परिस्थितियाँ उत्पन्न करनी पड़ती है कि परिवर्तन हो सके।

लूथर संघर्ष को महत्व देता है वह नियतिवाद की बजाय कर्मवाद में विश्वास रखता है। उसने धर्म की उस मान्यता का विरोध किया कि कुलीन वर्ग श्रेष्ठ ही रहेगा व साधारण वर्ग संसाधनहीन। उसने परिवर्तन के लिए संघर्ष का आह्वान किया।

निरंतर संघर्ष को हीगल व डार्विन भी मानते है। वाद, संवाद व प्रतिवाद की प्रक्रिया परिवर्तन चक्र को निरंतर करती है।

नियतिवादी या भाग्यवादी परिवर्तन को अवश्यंभावी तो मानते है लेकिन स्वयं इसके लिए प्रयत्न करते हुए प्रतीत नही होते वही कर्मवादी परिवर्तन को संघर्ष, कर्म का परिणाम मानते है।

परिवर्तन अपरिहार्य है लेकिन यत्न पूर्वक लाये गये परिवर्तन अधिक संतुष्टि देते है साथ ही मानवीय जीजिविषा को प्रकट करते है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

7. आप एक मेट्रोपॉलिटन शहर में पुलिस आयुक्त के रूप में तैनात हैं जहां एक आधिकारिक समारोह में अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए राष्ट्रपति स्तर की सुरक्षा प्राप्त एक विदेशी पदाधिकारी के दौरे का कार्यक्रम है। सुरक्षा तैयारियों के एक भाग के रूप में यह निर्णय लिया गया है कि शहर में समारोह स्थल तक पहुंचने के लिए विदेशी पदाधिकारी द्वारा उपयोग किए जाने वाले मार्ग पर किसी भी वाहन यातायात की अनुमति नहीं दी जाएगी। हालांकि, विदेशी पदाधिकारी के आगमन के लिए निर्धारित समय से ठीक 15 मिनट पहले आपको यह सूचना मिलती है कि गंभीर रूप से बीमार एक मरीज, निजी कार से अस्पताल ले जाते समय अपने परिवार के साथ रास्ते में फँस गया है। इस स्थिति में, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(a) वी. आई. पी. के आवागमन के लिए यातायात रोकने से जुड़े मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) इस स्थिति में आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों को उनके गुणों एवं दोषों के साथ सूचीबद्ध कीजिए।

(c) आपकी कार्रवाई क्या होगी? उचित तर्कों के साथ उसका औचित्य सिद्ध कीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are posted as the Commissioner of Police in a metropolitan city where a visiting foreign dignitary, with President-level security cover, is scheduled to visit for an official function. As a part of the security preparedness, it has been decided that no vehicular traffic will be allowed on the route which will be taken by the foreign dignitary to reach the venue of the function in the city. However, just 15 minutes before the scheduled arrival of the dignitary, you are informed that a critically-ill patient is stuck on the way to the hospital in a private car along with his family.

In this situation, answer the following:

(a) Discuss the issues involved in halting traffic for VIP movement.

(b) List the options available to you in this situation with their merits and demerits.

(c) What will be your course of action? Justify with proper reasoning. (Answer in 250 words) 20

(a) विशेष लोगों के आवागमन के लिए यातायात रोकने से जुड़े मुद्दे -

1) विशेष व्यक्ति की सुरक्षा का दायित्व भारी भीड़ से खतरा पैदा करने वाले लाभ उठा सकते हैं

2) सीमित समय का दौरा होता है तथा इस कार्यक्रम के लिए समय की पाबंदी इसलिए बड़ी रोकने के लिए.

3) यातायात डायवर्जन के कारण आमजन को असुविधा

4) यात्रा प्रबंधन में संसाधनों का अधिक व्यय समय, सम्भावना, ट्रैफिक जाम, पुलिसव्यवस्था

5) विदेशी व्यक्ति से उसी देश की छवि।

⑥ विकल्प :-

1. मरीज के वाहन को उसी हालत में छोड़कर विदेशी पदाधिकारी के लिए इंतजाम करना।

पक्ष - - विदेशी व्यक्ति की सुरक्षा
- भारत की छवि अच्छी बनेगी
- कानून-व्यवस्था बनी रहेगी
- प्रशासन सुगमता से चलेगा

विपक्ष - व्यक्ति के जीवन को खतरा
- भीड़ द्वारा इसको मुद्दा बनाकर दंगा करना
- व्यक्ति की मृत्यु की सूचना पाकर विदेशी अधिकारी के मन में नकारात्मक छवि
- संवैधानिक मूल्यों का सही से पालन न हो

2) विदेशी पदाधिकारी के काफिले को रुकवाकर व्यक्ति के वाहन को पार कराना।

पक्ष → व्यक्ति का जीवन बचने की संभावना
- नैतिक दायित्वों का पालन
- जीवन की रक्षा करना

विपक्ष :- यातायात प्रबंधन में अंतिम समय में बदलाव अव्यवस्था पैदा कर सकता है
- बीमार व्यक्ति के रूप में कोई साजिश होने की स्थिति में राष्ट्रीय छवि धूमिल
- विदेशी पदाधिकारी को देरी होने पर कार्यक्रम में देरी ~~व नाराजगी~~
- अन्य अधिकारियों का दबाव

(3) व्यक्ति की कार तथा पदाधिकारी के काफिले में पर्याप्त अन्तर की व्यवस्था करते हुए ~~इन~~ दोनों को समय पर मंजिल तक पहुंचाना।

इस विकल्प को इसतरह लागू करना →
1 चूंकि 15 मिनट का समय है इसलिए रोगी को रास्ते से जाने दिया जा सकता है लेकिन

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

दो बदलाव करके -प्रधान निजी कारों की जगह एम्बुलेंस या राजकीय वाहन से तथा इनका पुख्ता जाँच व प्रहरी भेजना ताकि आशंका समाप्त हो।

2) विदेशी पदाधिकारी के काफिले के मार्ग से गुजरने के पहले पुख्ता निगरानी व रिहर्सल पूरा करवाना तथा सुरक्षित होने पर ही रवानगी।

3) वैकल्पिक मार्गों पर जाम की स्थिति से निपटने के लिए कर्मचारी नियुक्त करना।

यह विकल्प रोगी को अस्पताल पहुँचाने तथा विदेशी पदाधिकारी को सुरक्षित पहुँचाने में मददगार होगा।

(c) मेरे लिए उचित विकल्प यह कि मैं 15 मिनट के अन्तराल के समय का इस उपयोग करूँ। इस दौरान अधीनस्थ अधिकारियों को आदेश देकर जाम की स्थिति दूर करने के लिए कर डायवर्ट करना सुनिश्चित करूँगा। यदि फिर भी बीमार व्यक्ति की कार फँसी रहती है तो उसे राजकीय

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

वाहन या एम्बुलेंस से 'वीवीआईपी मार्ग' से शीघ्र अस्पताल पहुँचाऊँगी तथा अधिकारियों को निर्देश दूँगी कि उस विशिष्ट मार्ग की सुरक्षा का प्रबन्ध सामान्य किया जाये।

यदि इस दौरान पदाधिकारी को देरी होने की नौबत आई तो उन्हें वस्तुस्थिति से सूचित करूँगी तथा अन्याधिकारियों को भी सूचित करूँगी बेहतर संचार व समन्वय द्वारा समाधान का प्रयास करूँगी।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

8. ट्रांसजेंडर समुदाय शुरुआती समय से ही भारत के सामाजिक ढांचे का हिस्सा रहा है लेकिन उसे कभी भी समाज के एक सम्मानित वर्ग के रूप में मान्यता नहीं मिली है। 'हिजड़ा' शब्द भारत में पारंपरिक रूप से उन ट्रांसजेंडर महिलाओं के लिए इस्तेमाल किया जाता है जिनका जन्म पुरुष के रूप में हुआ था। पवित्र हिंदू ग्रंथों के अनुसार इस समुदाय की भूमिका और महत्त्व विवाह एवं जन्म समारोहों में अच्छे भाग्य के लिए आशीर्वाद देने तक ही केंद्रित है। 19वीं शताब्दी में ब्रिटिश राज के आगमन के साथ ही "क्रॉस-ड्रेसिंग" के कृत्यों को एक दंडनीय अपराध माना गया और यदि ऐसे अपराध बार-बार किए जाते थे तो कारावास का दंड दिया जाता था। इस प्रकार, हिजड़ों का अपराधीकरण शुरू हुआ। हालांकि, वर्तमान समय में इस समुदाय को पहले की तुलना में कानूनी समर्थन प्राप्त है और वे सामाजिक रूप से सशक्त हैं, किंतु ये अभी भी ट्रांसजेंडर लोगों के प्रति भेदभाव-संबंधी हिंसा, गरीबी और अलगाव के शिकार हैं। उपर्युक्त के आलोक में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) ट्रांसजेंडर लोगों द्वारा अपने जीवन के विभिन्न चरणों के दौरान सामना की जाने वाली चुनौतियों की पहचान कीजिए।

(b) ट्रांसजेंडर समुदाय के उत्थान के लिए वर्तमान समय में की गई कई पहलों के बावजूद भारत में उनके साथ लगातार हो रहे भेदभाव के कारणों पर चर्चा कीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The transgender community has been a part of India's social set up since the very beginning but never recognized as a reputable part of the society. 'Hijra' is a term traditionally used in India for transgender women who were born male. The role and value of this community in accordance with the sacred Hindu texts condenses to the performance of blessings at marriage and birth ceremonies for good fortune. With the advent of the British Raj in the 19th century, the acts of "cross-dressing" were registered as a criminal offence and if such offences were committed repeatedly, imprisonment followed. Thus, began the criminalization of hijras. Today, although legally supported and socially empowered as compared to earlier times, hijras are still subject to transphobic discrimination-associated violence, poverty, and segregation.

In light of the above, answer the following:

(a) Identify the challenges faced by transgenders during the different stages of their life.

(b) Discuss the reasons for the continuing discrimination against trangenders in India despite several initiatives for their upliftment in recent times. (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(1) ट्रांसजेंडर प्राकृतिक व आनुवंशिक लक्षण है न कि व्यक्तिगत या पसन्द आधारित

भारतीय समाज में ट्रांसजेंडर के समक्ष चुनौतियाँ :

(i) जन्म के समय यदि ट्रांसजेंडर का पता लग जाये तो धात्री व अन्य सदस्यों द्वारा उपेक्षा फलतः कुपोषण व बीमारी की समस्या।

→ शिक्षा व्यवस्था से बहिष्करण।
सामान्य शिक्षा व विद्यालयों में प्रवेश से रोकने की प्रवृत्ति के कारण निरक्षरता

→ किशोर स्वास्थ्य की अवहेलना
शारीरिक बदलावों की अस्वीकृति, सामाजिक पहचान का संकट, आत्मक कपड़ों के चयन, मित्र समूह का चयन तथा अन्तर्क्रिया के मामले में अकेलापन, अलगाव व तनाव की जीवन

– युवावस्था में समाज से बहिष्करण तथा अपने समूहों से जुड़ने की प्रवृत्ति। फलतः ट्रासजेंडर समुदाय के साथ रहना। समाज व परिवार से कट जाना।

– वृद्धावस्था स्वास्थ्य व देखभाल का अभाव। बेकारी, अपंगता, बीमारी की स्थिति में असहज।

→ रोजगार के अवसर नहीं अतः भिक्षा मांगने, बधाई लेने पर निर्भर।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

- तिरस्कार, अपमान व भय के साथ जीना
- समाज की सूझ ही रहती है मानवीय गरिमा का हनन।
- सरकारी तंत्र द्वारा उपेक्षा, पुलिस द्वारा शोषण
- भिक्षावृत्ति समूह व नायकों द्वारा शोषण
- मृत्यु पर विधिवत: अंतिम संस्कार का अभाव।

(8) ट्रांसजेण्डर के लिए की गई पहलें-
1. पहचान का अधिकार
2. वोट देने तथा निर्वाचित होने का अधिकार
3. संगठित भिक्षावृत्ति को गैरकानूनी बनाना
4. सरकारी संस्थानों मे प्रवेश, शिक्षण संस्थानों मे प्रवेश मे वरीयता। (बिना मेरिट के)
5. लघु व कुटिर उद्योग योजनाओं मे प्राथमिकता
6. बीमा, पेंशन तथा स्वास्थ्य लाभों की सुविधाएं।
7. रिहाई संस्थागत प्रक्रिया।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

सरकारी प्रयासों के बावजूद इनके साथ भेदभाव जारी है क्योंकि -)

1) सामाजिक मानसिकता

1. पूर्वाग्रह मौजूद है
2. कहानियों व कथाओं में चलित चित्रण की छवि का प्रभाव
3. पर्याप्त जागरूकता नहीं
4. सीमित अवसर का पक्ष
5. भेदभाव पूर्ण व्यवहार

2) आर्थिक दुर्दशा -

1) रोजगार का संकट
2) भिक्षावृत्ति घृणात्मक व्यवसाय
3) आवास व पते का ठिकाना नहीं
4) आय की सुरक्षा नहीं
5) दूसरों की दया पर निर्भर

3) कानूनी व राजनीतिक अवहेलना -

1) ट्रांसजेंडर में जागरूकता नहीं इसलिए सरकारी कानूनों के लाभ से वंचित
2) भेदभाव व अपमान संबंधी कानूनों की कमी व जागरूकता नहीं

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3) निम्नस्तरीय अधिकारी वर्ग में संवेदना में कमी

4) निर्वाचनिक प्रावधानों में शामिल करना।

4) ट्रांसजेन्डर समुदाय की भूमिका -

1) परिवर्तन विरोधी

2) निरक्षरता

3) विद्रोह रूपी समुदाय - स्वतंत्रता नहीं होना

4) भिक्षावृत्ति व व्यापार जैसे कार्यों को ही प्राथमिकता।

कानूनी प्रक्रियाओं व सरकारी योजनाओं के मानसिकता में बदलाव आ रहा है राजस्थान में पहली नगर पंचायत मुखिया ट्रांसजेन्डर बनी है। इसको स्थिति में व्यापक बदलाव लाकर गरिमापूर्ण जीवन का संवैधानिक अधिकार सुनिश्चित करना जरूरी है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

9. आप एक राज्य में पुलिस महानिरीक्षक के रूप में तैनात एक आई. पी. एस. अधिकारी हैं। हाल ही में राज्य के एक जिले में कथित तौर पर पुलिस उपाधीक्षक (डी. एस. पी.) की मौजूदगी में हिरासत में हुई हिंसा के कारण एक पिता एवं पुत्र की मृत्यु से पूरे राज्य में आक्रोश फैल गया है। यह कोई अकेली घटना नहीं है, क्योंकि पुलिस द्वारा शारीरिक हमले के कारण हिरासत में हुई मौतों के संबंध में मानवाधिकार समूहों द्वारा पहले भी आरोप लगाए जाते रहे हैं। राज्य के उच्च न्यायालय ने हाल की इस घटना पर स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार को नोटिस जारी कर हिरासत में मौतों की बढ़ती घटनाओं पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। राज्य सरकार ने घटना की जांच करने और इससे जुड़े तथ्यों की सत्यता के बारे में एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए एक समिति का गठन किया है। आपको समिति का नेतृत्व करने के लिए कहा गया है। आप जिले के पुलिस उपाधीक्षक को एक ईमानदार, मेहनती और शुचितापूर्ण अधिकारी के रूप में जानते हैं। उसने आपसे निजी तौर पर अनुरोध किया है कि आप उसे किसी भी गलत कार्य के आरोप से मुक्त कर दें क्योंकि उसका दावा है कि वह घटना के समय वहां पर मौजूद नहीं था। आप जानते हैं कि उसके खिलाफ कोई भी कार्रवाई उसकी प्रतिष्ठा और करियर के लिए हानिकारक होगी। वहीं दूसरी ओर, विभाग के वरिष्ठ अधिकारी राज्य में पुलिस की समग्र छवि की रक्षा के लिए सारा दोष डी. एस. पी. पर डालने और उसे बलि का बकरा बनाने के लिए आप पर दबाव बना रहे हैं।

दिए गए परिदृश्य में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण में शामिल हितधारकों और नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) यह सुनिश्चित करने के लिए कि जांच न्यायसंगत और निष्पक्ष हो, आप क्या कदम उठाएंगे?

(c) भारत में पुलिस बल अपने दिन-प्रतिदिन के काम-काज में जिन चुनौतियों के दबाव में काम करते हैं, उन्हें देखते हुए कुछ पहलों का सुझाव दीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are an IPS officer posted as the Inspector General of Police in a state. The recent death of a father-son duo in one of the districts in the state, due to custodial violence allegedly in the presence of the Deputy Superintendent of Police (DSP), has sparked anger across the state. This is not an isolated incident, as there have been allegations raised by human rights groups in the past regarding custodial deaths due to physical assault by the police. The High Court of the State, taking suo moto cognizance of the recent incident, has served a notice to the state government, seeking a detailed report on the rising instances of custodial deaths. The state government has constituted a Committee to probe the incident and submit a detailed report about the veracity of facts related to it. You have been asked to head the Committee. You know the Deputy Superintendent of Police of the district to be an honest, hardworking and upright officer. He has privately requested you to absolve him of any wrongdoing as he claims not to be present when the incident occurred. You know that any action against him will be detrimental to his reputation and career. On the other hand, the seniors in the department are pressurising you to put all the blame on the DSP and make him a sacrificial lamb in order to protect the overall image of the police in the state.

In the given scenario, answer the following questions:

(a) Identify the stakeholders and the ethical issues involved in the case.

(b) What steps will you take to ensure that the enquiry is seen to be fair and impartial?

(c) Given the challenges that the police forces in India operate under in their day-to-day functioning, suggest some initiatives to address them. (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(a) हितधारक

1. मृतक पिता व पुत्र व उनके जीवन का अधिकार
2. डी.एस.पी. तथा उनकी कर्तव्यनिष्ठा व लापरवाही का उदाहरण
3. पुलिस महानिदेशक के रूप में स्वयं ईमानदार अधिकारी की प्रतिष्ठा, मानवाधिकार व राज्य में पुलिस की छवि सम्बन्धी मुद्दे
4. मानवाधिकार आयोग - मानवाधिकारों को लागू करना व दोषी को दण्डित करना
5. उच्च न्यायालय - नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना तथा जीवन की गारंटी देना।
6. सरकार - नागरिकों का जीवन बेहतर करना।

नैतिक मुद्दे -

(1) जीवन का अधिकार
(2) मानवाधिकार
(3) न्याय की स्थापना
(4) दोषी को सजा देना

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5) निष्पक्षता
6) पुलिस की कार्यप्रणाली
7) शुचिता, ईमानदारी व प्रतिष्ठा

(6) कदम →

(1) समिति के अध्यक्ष का दायित्व स्वीकार करना ताकि न्याय किया जा सके

2) अधीनस्थ डी.एस.पी. की आशंका को दूर करना कि उसे फंसाया जायेगा

3) पुलिस की छवि के साथ-2 अधिकारी के हितों को महत्व देना

4) पुलिस थाने से समस्त साक्ष्य जुटाना तथा तथ्यात्मक रिपोर्ट बनाना

5) मानवाधिकार की स्थापना सुनिश्चित करने के लिए तथा दोषी को दण्ड देने के लिए बाहरी दबावों को अस्वीकार करना

6) वीडियो व अन्य साक्ष्यों, परिस्थिति जन्य कारकों, चिकित्सा रिकॉर्ड,

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

मृतकों का स्वास्थ्य रिकॉर्ड का अधिकारी की प्रकृति व कार्यप्रणाली, घटना के वक्त मौजूद लोगों की भूमिका तथा उनके इलाज के दायित्वों का विस्तृत रिपोर्ट बनाकर पेश करूँगी।

(c) हिरासत में मौत का प्रमुख कारण पुलिस पर दबाव है। कार्यबोझ, स्टाफ की कमी, शीघ्र न्याय की मांग, गवाहों का मुकरना, देरी से चलने वाली न्यायिक प्रणाली आदि इसलिए निम्न प्रस्ताव :

1) पुलिस अधिकारियों को दबाव व तनाव प्रबंधन का प्रशिक्षण।

2) हिरासत में लेने के तुरन्त बाद स्वास्थ्य परीक्षण करवाना।

3) थाना परिसर में CCTV कैमरा लगवाना।

4) बल प्रयोग की संस्कृति पर रोक लगाना।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5) स्मार्ट पुलिसिंग पर बल

6) पुलिस बल के लिए तनाव कम करने की युक्तियां अपनाना

7) हिरासत में हुई हिंसा ~~[illegible]~~ के कारकों को कठोर दण्ड देना ताकि अन्य व्यक्ति हिंसा न करे

8) हिरासत में उनके परिजनों को मिलने व अपनी बात कहने की आजादी देना

7) शीघ्र अदालत में पेश करने पर बल

हिरासत में मौत अमानवीय व गैर कानूनी है इसको स्वीकार नहीं किया जा सकता है इसको रोकने के लिए पुलिस आधुनिकीकरण पर बल देना चाहिए।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

10. मिस्टर X एक अरबपति व्यवसायी हैं जो बीमा, ऊर्जा उत्पादन एवं वितरण तथा विनिर्माण कार्य में संलग्न एक बड़ी कंपनी के प्रमुख हैं। विश्व भर में एक महान परोपकारी के रूप में उनकी पहचान होने के बावजूद, उन्होंने एक शेयरधारक के उस अनुरोध को ठुकरा दिया है जिसमें जलवायु परिवर्तन के साथ-साथ विविधता और समावेशन से संबंधित मुद्दों पर कंपनी की कार्रवाइयों का खुलासा करने की मांग की गई थी।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

जलवायु और विविधता के मुद्दों पर बढ़ते ध्यान के कारण, कई प्रमुख फर्मों ने अपनी व्यावसायिक रणनीतियों में प्रासंगिक विचारों को शामिल करने के लिए खुद को प्रतिबद्ध किया है। इसलिए, कुछ उद्योग-पर्यवेक्षकों ने आश्चर्य व्यक्त किया है कि क्या मिस्टर X बड़े पैमाने पर उद्योग के संपर्क में नहीं हैं और उन्हें यह चेतावनी दी है कि जलवायु परिवर्तन के मुद्दों को हल करने में विफल रहने से उनके व्यवसाय के लिए प्रणालीगत जोखिम उत्पन्न हो सकता है। इसके बावजूद, मिस्टर X प्रकटीकरण प्रस्ताव के खिलाफ अपने मत पर कायम रहे, साथ ही जलवायु परिवर्तन और विविधतापूर्ण एवं समावेशी कार्यबल इन दोनों के महत्व को भी स्वीकार किया। हालांकि, मिस्टर X का मानना है कि शेयरधारकों के लाभ को अधिकतम करने के लिए इस तरह के नैतिक मुद्दे गौण महत्व रखते हैं।

(a) एक व्यावसायिक संगठन में जलवायु परिवर्तन से जुड़ी रणनीतियों और विविधता एवं समावेश को शामिल करने के महत्व पर चर्चा कीजिए?

(b) आपकी राय में, एक व्यावसायिक संगठन के लिए क्या अधिक मायने रखता है- सामाजिक-पर्यावरणीय चिंताएं या शेयरधारकों का लाभ?

(c) उपर्युक्त दो मुद्दों को कैसे सुलझाया जा सकता है? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Mr. X is a billionaire businessman who heads a conglomerate engaged in insurance, energy generation and distribution, and manufacturing. Despite being globally known as a great philanthropist, he turned down a shareholder request seeking the disclosure of the conglomerate's actions on issues related to climate change as well as diversity and inclusion.

Because of increased attention to climate and diversity issues, many leading firms have committed themselves to incorporate relevant considerations in their business strategies. Therefore, some industry-observors wonder if Mr. X is out of touch with the industry at large and have warned him that failing to address climate change issues puts his businesses under systemic risk. But, Mr. X maintained his vote against the disclosure proposal, while at the same time acknowledged the importance of both climate change and a diverse and inclusive work force. However, Mr. X believes that such ethical issues take secondary importance to maximising shareholder profit.

(a) Discuss the importance of including climate change strategies and diversity and inclusion in a business organisation?

(b) In your opinion, what matters more for a business organisation - socio-environmental concerns or shareholder profit?

(c) How can the two above-mentioned issues be reconciled? (Answer in 250 words) 20

(a) व्यावसायिक लाभ प्राप्त करने के लिए प्राकृतिक व राष्ट्रीय संसाधनों का उपयोग करते हैं इसलिए उनका पर्यावरणीय

व राष्ट्रीय दायित्व निर्धारित होते है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

व्यावसायिक संगठन में शामिल करने का महत्व -

1. पर्यावरण समावेशी रणनीतियों को अपनाने के लिए प्रेरित होना

2. पर्यावरण संरक्षण में काम आने वाली प्रौद्योगिकी का समावेशन करना

2 कार्बन व्यापार में भागीदार बनकर लाभ अर्जित करना

4. निवेशकों तथा भागीदारों में पर्यावरणीय दायित्वों का संदेश देना

5. सामाजिक उत्तरदायित्व में भाग लेकर समाज के सर्वाधिक प्रभावित वर्गों की मदद करना

6. कार्बन फुटप्रिंट तथा कार्बन स्टॉक का अनुमान लगाना

(6) व्यावसायिक संगठन के लिए मायने.

1) शेयरधारक संगठन का आधार है अतः वे जरूरी हों उनका हित जरूरी हो संचालक का दायित्व है कि वह ऐसा कोई कार्य नहीं करे जिससे भागीदारों को हानि हो।

संकीर्ण अर्थों में यहां संगठन शेयरधारकों के लाभ का तर्क देता है लेकिन अलग नजरिए से देखें तो इसमें सामाजिक पर्यावरणीय हितों की अनदेखी करने से शेयरधारकों के लाभ में कमी आ सकती है जैसे-

कंपनी के प्रति अन्य लोगों में नकारात्मकता आ सकती है तब कंपनी की साख गिर सकती है जिससे शेयरधारकों को घाटा होगा

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

कंपनी के द्वारा सामाजिक-पर्यावरणीय दायित्व नहीं निभाने से वह प्रतिस्पर्धा में पिछड़ जाती है क्योंकि अन्य प्रतिस्पर्धी कम्पनियां दायित्व निभाकर अपनी छवि सुधार रही है।

- सामाजिक-पर्यावरणीय आदानों का उपयोग करते हुए लाभ कमाने के कारण नैतिक दायित्व है कि वे इस लौटाये
- इसलिए पर्यावरणीय चेतना जरूरी।
- अंतर्राष्ट्रीय छवि निर्माण में पर्यावरणीय दायित्व आवश्यक सिद्ध होते है

(c) विवाद कुलसमाता

- चूंकि संवेदक अंशधारक का कार्यकारी है इसलिए उनमें सामाजिक दायित्वों की चेतना है। इसलिए इस चेतना का नव आयाम देना पड़ेगा।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

प्रबंधक को यह समझना होगा कि सत्यपूर्ण तथा निष्पक्ष परोपकार के कार्य करने के कारण भी उनकी छवि अच्छी नहीं हो सकती क्योंकि लोग/निवेशक यह सोच सकते हैं कि ये परोपकार किसी लाभ के लिए कर रहे हैं।

पारदर्शिता व खुलापन किसी भी संगठन के लिए जरूरी है तभी निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा। प्रबंधक के इस फैसले से कंपनी की सकारात्मक छवि बनेगी।

इसलिए अनुनयन द्वारा प्रबंधक को राजी करना पड़ेगा। फिर भी नहीं राजी हो तो संचालक मण्डल द्वारा इस प्रकार का निर्णय लिया जा सकता है ताकि पारदर्शिता शामिल रहे।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

11. आप एक ऐसे जिले में पुलिस अधीक्षक (SP) के रूप में तैनात हैं जहां विभिन्न धार्मिक समुदायों के लोग एक साथ शांतिपूर्वक रह रहे हैं। यह जिला अपनी स्थापत्य विरासत के लिए भी प्रसिद्ध है और यहां विश्व भर से पर्यटक नियमित रूप से आते हैं। हालांकि, पड़ोसी राज्य में एक ऐसी घटना हुई है जिसमें दो अलग-अलग समुदायों के लोगों ने धार्मिक मुद्दों पर लड़ाई शुरू कर दी है। इस घटना का प्रभाव पूरे देश पर पड़ा है। आपकी तैनाती वाले क्षेत्र में भी विभिन्न स्रोतों से आपको हेट स्पीच वाले कुछ ऐसे वीडियो के प्रसार की सूचना मिली है जो कानून और व्यवस्था की स्थिति को बिगाड़ सकते हैं। आप यह भी जानते हैं कि आपके जिले में संदिग्ध नीयत से कुछ बाहरी लोगों का आना शुरू हो गया है। एक इलाके में एक दुकानदार की, जिसने पहले इंटरनेट पर कुछ पोस्ट करने के कारण मिलने वाली धमकियों के बारे में शिकायत दर्ज कराई थी, उसकी निर्दयतापूर्वक हत्या कर दी गई है। इस घटना ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है। आपको यह सूचना दी गई है कि दुकानदार जिस समुदाय का था, उस समुदाय के सैकड़ों लोग आपके जिले में व्यापक विरोध प्रदर्शन करने की योजना बना रहे हैं।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(a) दी गई स्थिति में, जिले में कानून और व्यवस्था की स्थिति को स्थिर बनाए रखने के लिए आपके समक्ष क्या विकल्प उपलब्ध हैं। अपनी कार्रवाइयों का विस्तृत विवरण प्रदान कीजिए।

(b) क्या आपको लगता है कि वर्तमान कानूनी और संस्थागत ढांचे समाज में हेट स्पीच के खतरे से निपटने के लिए पर्याप्त हैं? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are posted as a Superintendent of Police (SP) in a district where people of different religious communities are living together peacefully. The district is also famous for its architectural heritage and is regularly visited by tourists from all around the world. However, there has been an incident in the nearby state where people of two different communities have started fighting over religious issues. This incident has a spillover effect over the whole country. In your own area of jurisdiction, you have come to know from various sources about circulation of some hate speech videos, which have the potential to destabilise the law and order situation. You are also aware that some outsiders with dubious intentions have started pouring in your district. In one locality, a shopkeeper who had earlier filed a complaint regarding threats he received for posting something on the internet, is found murdered in cold blood. This incident has stunned the nation. You are being informed that hundreds of people of the community to which the shopkeeper belonged are planning to stage a massive protest in your district.

(a) In the given situation, what are the options available to you to ensure that the law and order situation in the district remains stable. Provide a detailed account of your course of action.

(b) Do you think the present legal and institutional mechanisms are sufficient to tackle the menace of hate speech in the society? (Answer in 250 words) 20

(a) साम्प्रदायिकता सबसे बड़ी राष्ट्रीय चुनौती है जो कानून व्यवस्था बनाये रखने के समक्ष खड़ी है।

उपर्युक्त प्रकरण में विकल्प

(1) इन्टरनेट पर पाबन्दी लगाना -
फेक न्यूज, हत्या सम्बन्धी धारे, साम्प्रदायिक क्रियाओं तथा भावनाओं को फैलने से रोकने के लिए इन्टरनेट सेवाएं बन्द करना।

(2) धार्मिक समुदायों के साथ बैठक करना -
दोनों पक्षों को कानून व्यवस्था में सहयोग के लिए तैयार करना, उनके मुद्दों को लिखना तथा उचित कार्यवाही का आश्वासन देना

(3) धारा 144 लागू करना तथा जुलूस प्रदर्शन, रैली पर रोक लगाना।
भीड़ को रोकने के लिए प्रबंध करना

(4) अतिरिक्त पुलिस बल की माँग -
कानून-व्यवस्था को बनाये रखने के लिए विशेष पुलिस दल को नियोजित करना

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

→ सामुदायिक पुलिस का उपयोग करना - ताकि समुदाय के भीतर का पता लगाकर उन्हें समझाना तथा उन्हें विश्वास में लेकर सूचना तंत्र के रूप मे उपयोग करना

→ उच्च अधिकारियों को सूचित करना ताकि वस्तुस्थिति पता चले तथा अग्रिम निर्णय लिये जा सके

→ पुलिस धीमे गति का आरोपी को पकड़ना।

हत्या के आरोपी की गिरफ्तारी करना, फेक न्यूज व हेट स्पीच देने वालों की गिरफ्तारी का कठोर निर्देश देना।

→ मीडिया में अपील करना ताकि सौहार्द बना रहे।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

→ पीड़ित के साथ बातचीत कर उसे आश्वासन व सहायता दिलाना

→ पुलिस अधिकारियों की छुट्टी रद्द करना

(b) हेट स्पीच के खतरे

(1) साम्प्रदायिक तनाव फैलाना

(2) धार्मिक भावनाएं भड़काना

इन खतरों से निपटने का ढांचा

(1) पुलिस तकनीक में पिछड़ी,

(2) विशेष अनुमति के द्वारा ही वह कॉल रिकार्ड या डेटा ले सकती है

(3) गुप्तचर व्यवस्था व सूचना प्रणाली कमजोर

(4) जनता में विश्वास पैदा करने वाले तंत्र की कमी।

(5) जननेता, पुलिस - धार्मिक नेता व स्थानीय प्रतिष्ठित व्यक्तियों में समन्वय की कमी।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को
इस हाशिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

12. भारतीय शिक्षा प्रणाली कई समस्याओं से ग्रस्त है। प्रमुख समस्याओं में से एक 'रटकर सीखने' पर ध्यान केंद्रित करना है जो कई वर्षों से भारतीय शिक्षा प्रणाली की मुख्य विशेषता रही है। हालांकि, कई भारतीयों ने इस प्रणाली के बावजूद सफलता प्राप्त की है, किंतु आज की दुनिया में केवल सूचनाओं को याद रखने में सक्षम होना ही पर्याप्त नहीं है, जबकि वह सूचना किसी भी व्यक्ति को मोबाइल फोन पर तुरंत उपलब्ध हो जाती है। 200 भारतीय और विदेशी कंपनियों के एक सर्वेक्षण में पाया गया है कि केवल 14% भारतीय स्नातक कार्यबल में शामिल होने के लायक थे। इसका मुख्य कारण यह था कि अधिकांश स्नातक वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए अपने ज्ञान का प्रयोग करने में असमर्थ थे। इस संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) देश में युवा छात्रों के शैक्षिक विकास पर 'रटकर सीखने' के क्या प्रभाव हुए हैं?

(b) इस मुद्दे को हल करने के लिए किए जा सकने वाले उपायों का सुझाव दीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The Indian education system suffers from many ills. One of the major issues is the focus on 'rote learning', which has been the staple of the Indian education system for many years. While many Indians have attained success despite this system, simply being able to recall information is not enough in today's world when that information is instantly available to anyone on a mobile phone. A survey of 200 Indian and foreign companies found that only 14% of Indian graduates were prepared for the workforce, largely because most graduates were unable to apply their knowledge to solve real-world problems.

In this context, answer the following questions:

(a) What are the consequences of 'rote learning' on the educational development of young students in the country?

(b) Suggest measures that can be taken to address this issue. (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(a) → 1. तकनीकी ज्ञान में पिछड़ना

2. अन्तर्राष्ट्रीय कार्यबल में सीमित भागीदारी

3. रचनात्मकता में कमी

4. कौशल में पिछड़ापन

5. सूचनाओं का भण्डार लेकिन ज्ञान की कमी।

(6) चतुर्दिक विकास में बाधा।
(7) अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर नकारात्मक छवि
(8) रटकर सीखने वाले शिक्षण प्रक्रिया से बाध्य होना
(9) विज्ञान व दर्शन में शोध व अनुसंधान में व्यापार नहीं
(10) बौद्धिक सम्पदा अधिकारों में निम्न स्तर
(11) प्रतिष्ठित अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से पिछड़ता
(12) हीनता की भावना

(2) हल करने के उपाय →

(1) रचनात्मकता आधारित पाठ्यक्रम
(2) प्राथमिक विद्यालयों से ही तुलनात्मक शिक्षा।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(3) करके सीखने पर बल देना

(4) शिक्षक प्रशिक्षण

(5) पाठ्यक्रम में बदलाव करना तथा समझ आधारित बनाना

(6) अन्तर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण, रूढ़िवाद, आधुनिकवाद, तथा मौलिकता को बढ़ावा देना

(7) प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण का निर्माण करना

(8) शिक्षा नीति में बदलाव करना व कौशल विकास, अंत: अनुशासनात्मक विषयों का अध्ययन

(9) मूल्यांकन पद्धति में बदलाव करना तथा समझ को महत्व देना

(10) वैज्ञानिक चिन्तन का कौशल विकसित करना

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(i) अन्तर्राष्ट्रीय संस्थानों, पाठ्यक्रमों तथा नीतियों का अध्ययन कर उनके साथ MoU करना तथा परस्पर सम्पर्क द्वारा सीखना।

(ii) शिक्षा के ढांचे में बदलाव। प्राथमिक से उच्च शिक्षा तक

(iii) शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों की स्थापना।

(iv) उच्च शोध संस्थानों को पूंजीगत सहायता ताकि बेहतर नीति निर्माण को।

सीखना महत्वपूर्ण लक्षण है ~~जिसे~~ रटने की बजाय समझने पर बल देकर प्राप्त करना चाहिए ताकि वैज्ञानिक चेतना का उदय हो।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को
इस हाशिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

SPACE FOR ROUGH WORK

SPACE FOR ROUGH WORK

SPACE FOR ROUGH WORK